# 10 संज्ञा तथा संज्ञा के भेद

## पाठ-योजना

### पाठ का उद्देश्य

- संज्ञा की पहचान।
- वाक्य में संज्ञा के स्थान व महत्व को समझाना।
- संज्ञा के भेदों को समझाना।
- भाववाचक संज्ञा शब्दों की रचना समझाना।

### सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

### पूर्व-ज्ञान

- क्या हम संज्ञाएँ खाते हैं? पहनते हैं?
- क्या संज्ञाओं को महसूस भी किया जा सकता है?
- अपनी प्रिय स्वादिष्ट संज्ञा के बारे में बताइए।
- सभी का नाम होना क्यों जरूरी है?

### प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की अवधारणा स्पष्ट करना।
- पाठ में दिए गए चित्र का अवलोकन करवाएँ।
- चित्र से संबंधित वाक्यों में आए रंगीन शब्दों पर ध्यान दिलवाएँ।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - जिस शब्द से किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु या मन के भावों का बोध होता है, उसे संज्ञा कहते हैं।
  - संज्ञा के तीन भेद हैं–व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक।
  - जातिवाचक संज्ञा के दो उपभेद हैं–समूहवाचक तथा द्रव्यवाचक।
  - भाववाचक संज्ञाओं को महसूस किया जा सकता है, व्यक्तिवाचक व जातिवाचक संज्ञाओं को केवल छुआ जा सकता है।
  - हम स्वयं भी एक संज्ञा हैं। हमारे शरीर के अंग भी संज्ञा हैं। हम संज्ञाएँ खाते हैं, पहनते हैं, ओढ़ते हैं। हमारा घर, विद्यालय आदि सभी स्थान संज्ञाओं से परिपूर्ण हैं।
  - भाववाचक संज्ञा शब्दों की रचना जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय शब्दों से होती है।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।

## कार्य-पत्र के उत्तर

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. व्यक्तिवाचक– गोदान, इंदिरा गांधी, आगरा, ताजमहल, कामधेनु, इंद्र, महात्मा गांधी
   जातिवाचक– लोहा, किताब, चना, शहर, अनाज, कोयला, कक्षा, सेना, सभा, परिवार, भीड़, टीम
   भाववाचक– बीमारी, ममता, स्नेह, चोरी, बचपन, यौवन, गरमी
3. (*i*) निकटता (*ii*) यौवन (*iii*) शत्रुता (*iv*) लड़कपन (*v*) ममता
   (*vi*) नीलिमा (*vii*) होशियारी (*vii*) खटास (*ix*) ऊपरी (*x*) प्रभुता
4. (*i*) ✗ (*ii*) ✓ (*iii*) ✓ (*iv*) ✗ (*v*) ✓ (*vi*) ✓
5. (*i*) मिठास (*ii*) बीमारी (*iii*) बचपन (*iv*) निर्धनता
   (*v*) बहाव (*vi*) हँसी (*vii*) सजावट (*viii*) बीमारी